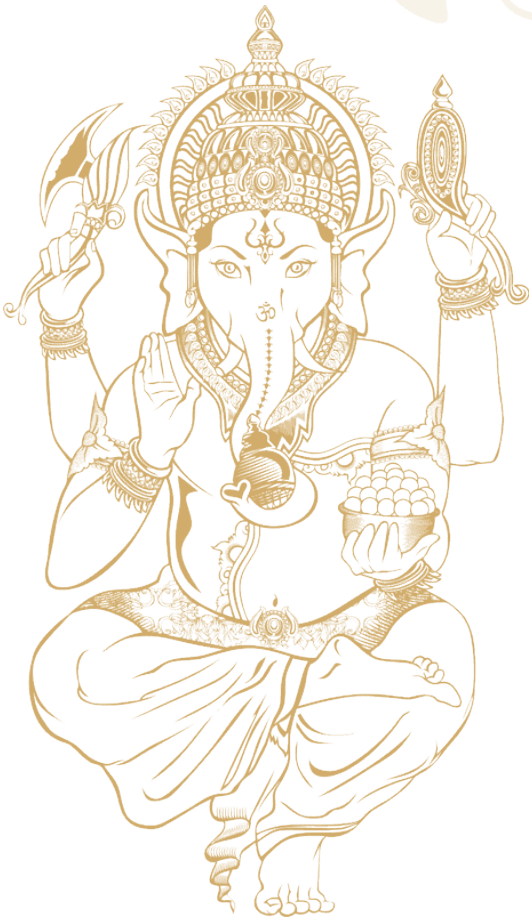

Mr.Sunny Gupta

Ms.Nikhlesha Gupta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119646701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119646701 Date: 04/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/12/1995	जन्म तिथि	21-22/01/1999
शुक्रवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 16:00:00	जन्म समय	04:30:00 घंटे
घटी 23:31:27	जन्म समय(घटी)	54:13:02 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Mumbai
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:25	सूर्योदय	07:15:00
17:05:55	सूर्यास्त	18:24:52
23:48:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:29
वृष	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मिथुन	राशि	मीन
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
आर्द्रा	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
राहु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	4
शुभ	योग	परिघ
तैतिल	करण	बव
कू-कुणाल	जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
श्वान	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
मार्जार	वर्ग	सर्प

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 17वर्ष 5मा 13दि		05:59:25	वृष	लग्न	वृश्चि	27:12:03	गुरु 3वर्ष 1मा 8दि	
गुरु		22:02:58	वृश्चि	सूर्य	मक	07:37:00	बुध	
22/05/2013		07:04:17	मिथु	चंद्र	मीन	00:44:44	01/03/2021	
22/05/2029		12:10:17	धनु	मंगल	तुला	04:15:44	01/03/2038	
गुरु	10/07/2015	00:27:10	धनु	बुध	धनु	28:58:00	बुध	28/07/2023
शनि	21/01/2018	00:18:42	धनु	गुरु	मीन	01:38:00	केतु	25/07/2024
बुध	27/04/2020	19:42:00	धनु	शुक्र	मक	27:46:27	शुक्र	25/05/2027
केतु	03/04/2021	24:26:22	कुंभ	शनि	मेष	03:25:32	सूर्य	31/03/2028
शुक्र	03/12/2023	01:31:05	तुला व	राहु	कर्क	28:21:37	चन्द्र	30/08/2029
सूर्य	21/09/2024	01:31:05	मेष व	केतु	मक	28:21:37	मंगल	28/08/2030
चन्द्र	21/01/2026	04:19:00	मक	हर्ष	मक	18:16:26	राहु	16/03/2033
मंगल	27/12/2026	00:03:44	मक	नेप	मक	07:59:58	गुरु	22/06/2035
राहु	22/05/2029	07:17:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:55:46	शनि	01/03/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:07 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:29

लग्न-चलित

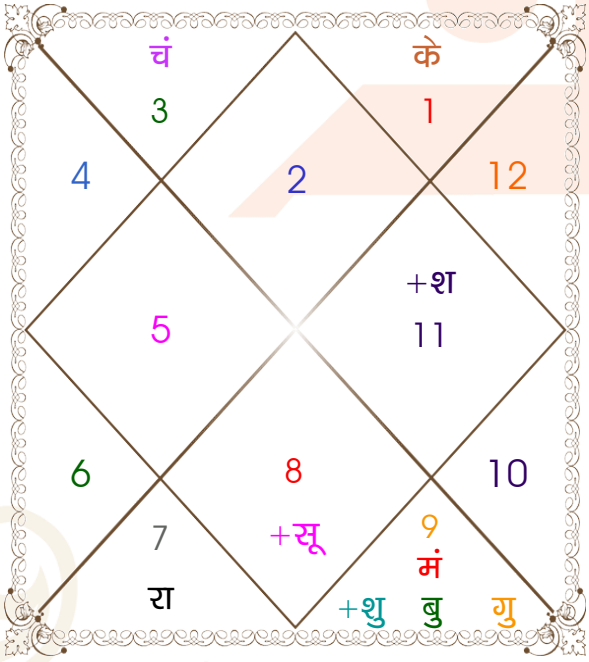

लग्न-चलित

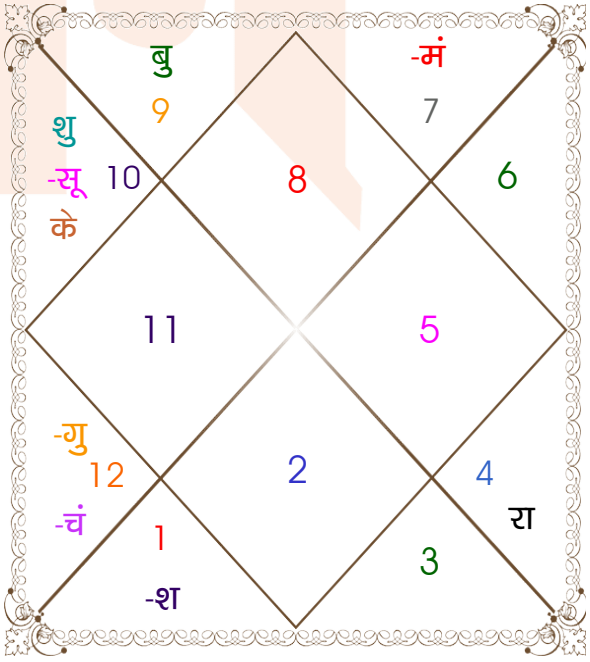

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

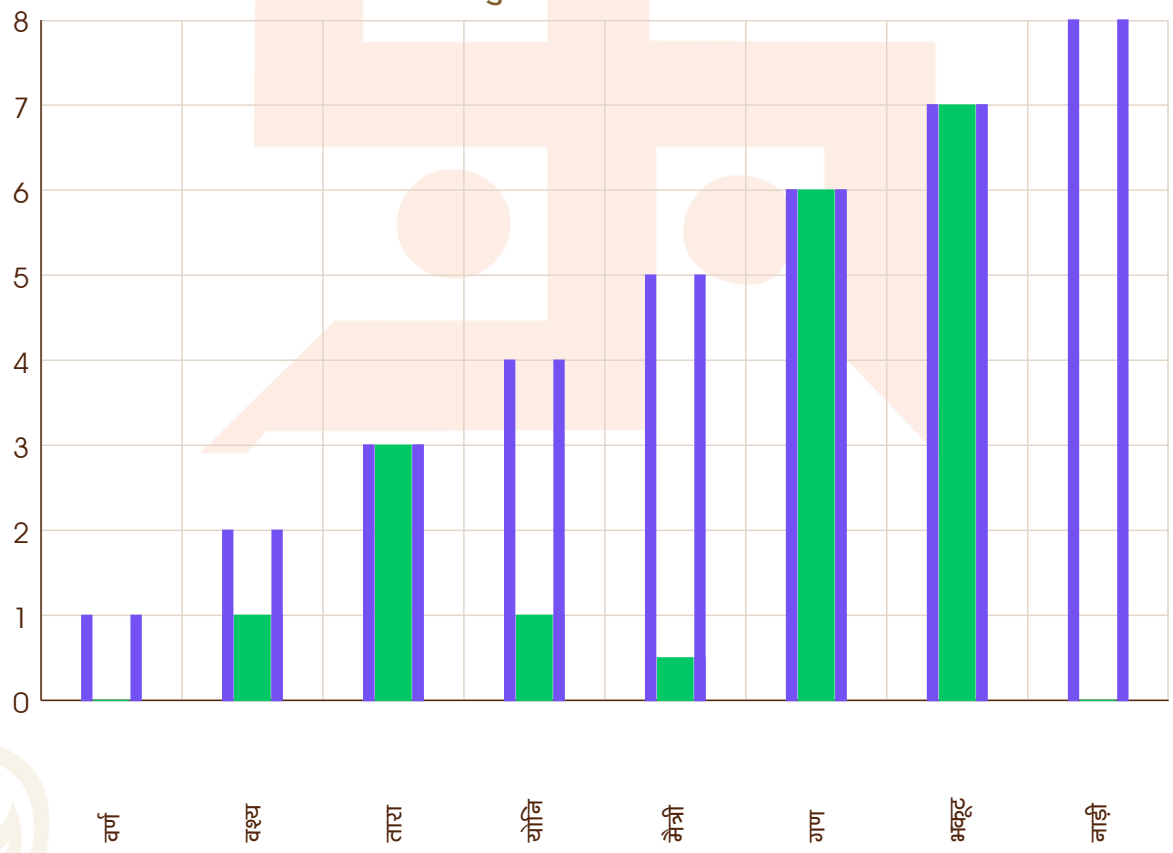

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि डतण्नदद्दल ळनचजं का नक्षत्र आर्द्रा है।

डतण्नदद्दल ळनचजं का वर्ग मार्जार है तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्नदद्दल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्नदद्दल ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्नदद्दल ळनचजं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्छपीसर्मी ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्छपीसर्मी ळनचजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्छपीसर्मी ळनचजं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण्नददल ळनचजं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्नददल ळनचजं तथा डेण्छपीसर्मों ळनचजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्नेददल ळनचजं का वर्ण शूद्र है तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि डेण्छपीसर्मी ळनचजं का वर्ण डतण्नेददल ळनचजं के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। डेण्छपीसर्मी ळनचजं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही डतण्नेददल ळनचजं के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

डतण्नेददल ळनचजं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं डेण्छपीसर्मी ळनचजं का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें डतण्नेददल ळनचजं एवं डेण्छपीसर्मी ळनचजं दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः डतण्नेददल ळनचजं डेण्छपीसर्मी ळनचजं पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि डतण्नेददल ळनचजं हमेश डेण्छपीसर्मी ळनचजं के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

डतण्नेददल ळनचजं की तारा अतिमित्र तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। डतण्नेददल ळनचजं हमेशा डेण्छपीसर्मी ळनचजं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

डतण्नेददल ळनचजं की योनि श्वान है तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्नैददल ळनचजं का राशि स्वामी डेण्छपीसर्मी ळनचजं के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि डेण्छपीसर्मी ळनचजं का राशि स्वामी डतण्नैददल ळनचजं के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण्नैददल ळनचजं का गण मनुष्य तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

डतण्नैददल ळनचजं से डेण्छपीसर्मी ळनचजं की राशि दशम भाव में स्थित है तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं से डतण्नैददल ळनचजं की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण्नैददल ळनचजं एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। डेण्छपीसर्मी ळनचजं को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। डेण्छपीसर्मी ळनचजं हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

डतण्नैददल ळनचजं की नाड़ी आद्य है तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण्नैददल ळनचजं एवं डेण्छपीसर्मी ळनचजं दोनों

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्नैददल ळनचजं की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन है तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन है नैसर्गिक रूप से वायु एवं जल के मध्य असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः डतण्नैददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं के मध्य स्वभावगत विषमताओं के कारण सम्बंधो में अल्प मधुरता रहेगी तथा दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता रहेगी। अतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

डतण्नैददल ळनचजं की राशि का स्वामी बुध तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते है। अतः यह ग्रह स्थिति भी विशेष शुभ एवं अनुकूल नहीं रहेगी। ऐसी स्थिति में डतण्नैददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देगे तथा परस्पर वाद विवाद एवं अशान्ति का वातावरण बनाएगें। इससे पारिवारिक सुख की अनुभूति में व्यवधान रहेगा। अतः बुद्धिमता से कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

डतण्नैददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं की राशियाँ परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकुट माना जाता है। इसके प्रभाव से डतण्नैददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं में दूरदर्शिता का भाव रहेगा। वे एक दूसरे को स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता आएगी। साथ ही पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्तिमय रहेगा तथा परस्पर सामंजस्य रहेगा।

डतण्नैददल ळनचजं का वश्य मानव तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः डतण्नैददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानताएं रहेंगी जिससे उनके सम्बंधो में मधुरता का अल्पभाव रहेगा। वे एक दूसरे की कामभावनाओं में को सन्तुष्ट करने में भी असमर्थ रहेंगे।

डतण्नैददल ळनचजं का वर्ण शूद्र तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भिन्नता रहेगी। डतण्नैददल ळनचजं की प्रवृति किसी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी लेकिन डेण्छपीसर्मी ळनचजं शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो को ही सम्पन्न करेगी।

धन

डतण्नैददल ळनचजं की तारा अतिमित्र तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं की तारा सम्पत है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सर्वदा तत्पर होंगे। साथ ही भकूट का इनकी सुदृढ़ आर्थिक स्थिति पर किसी भी प्रकार शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन मंगल के प्रभाव से डतण्नैददल ळनचजं यदा कदा सामान्य हानि या व्यय से परेशानी की अनुभूति कर सकते है परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

डेण्छपीसर्मी ळनचजं धनाढ्य एवं सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा उसके शुभ प्रभाव एवं अपनी योग्यता तथा परिश्रम के बल पर डतण्नैनददल ळनचजं अपने धन की वृद्धि करने में तत्पर रहेंगे। लेकिन मंगल के प्रभाव से डेण्छपीसर्मी ळनचजं की प्रवृति अनावश्यक मात्रा में अधिक व्यय करने की होगी तथा विलासमय वस्तुओं पर व्यर्थ में ही व्यय करेंगी। अतः डेण्छपीसर्मी ळनचजं को ऐसी प्रवृति की उपेक्षा करना ही श्रेयष्कर रहेगा।

स्वास्थ्य

डतण्नैनददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा डेण्छपीसर्मी ळनचजं भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भी डतण्नैनददल ळनचजं हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते है। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्नैनददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्नैनददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्छपीसर्मी ळनचजं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्छपीसर्मी ळनचजं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्छपीसर्मी ळनचजं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्नैनददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्नैनददल ळनचजं और डेण्छपीसर्मी ळनचजं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

ससुराल-सुश्री

डेण्छपीसर्मी ळनचजं के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही डेण्छपीसर्मी ळनचजं यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में डेण्छपीसर्मी ळनचजं को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार डेण्छपीसर्मी ळनचजं को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

डतण्नैददल ळनचजं के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा डतण्नैददल ळनचजं अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी डतण्नैददल ळनचजं का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में डतण्नैददल ळनचजं का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि डतण्नैददल ळनचजं तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में डतण्नैददल ळनचजं के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।